RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

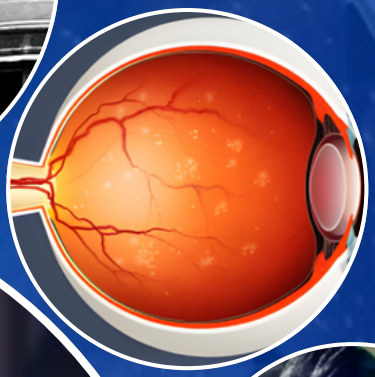

DATE
नवम्बर
28
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

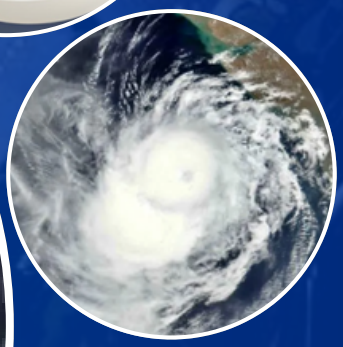

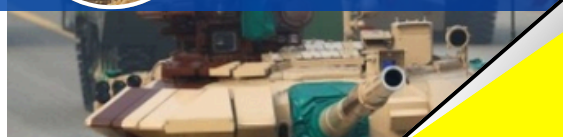

By Ankit Avasthi Sir

पेन्नार नदी जल विवाद / Pennar river water dispute

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच पन्नियार नदी के पानी के बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद पर बातचीत करने वाली समिति की रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। यह मामला न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और एस.वी.एन. की पीठ के सामने था।

पन्नियार नदी जल विवाद: मुख्य बिंदु

1. **सुप्रीम कोर्ट का निर्देश:**
   - जस्टिस हृषिकेश रॉय और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने निर्देश दिया कि तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच जल विवाद पर हुई बातचीत विफल होने की जानकारी के बाद इस मामले को सुलझाने के लिए बनाई गई समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।
2. **जल शक्ति मंत्रालय की पहल:**
   - जल शक्ति मंत्रालय ने नदी बेसिन में जल की उपलब्धता का आकलन करने, राज्यों के बीच जल साझा करने के समझौतों की समीक्षा करने और कर्नाटक, तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश सहित सभी राज्यों से बातचीत के लिए एक पैनल बनाया।
3. **तमिलनाडु की आपत्ति:**
   - तमिलनाडु ने कर्नाटक के कोलार जिले में मार्कंडेय नदी (जो दक्षिण पेन्नार की सहायक नदी है) पर 0.5 टीएमसीएफटी जल संग्रहण परियोजना का विरोध किया।
   - यह परियोजना लगभग 80% पूरी हो चुकी है और इसका उद्देश्य मालूर, बांगारपेट, कोलार और आसपास के 48 गांवों को जल आपूर्ति करना है।
   - तमिलनाडु का आरोप है कि यह बांध प्राकृतिक जल प्रवाह को बाधित करेगा, जिससे पन्नियार नदी के निचले इलाकों में पानी की कमी होगी।
4. **अदालत में तमिलनाडु की अपील:**
   - तमिलनाडु ने नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन देकर कर्नाटक को मार्कंडेय नदी पर बांध बनाने से रोकने का निर्देश देने की मांग की।
5. **जल विवाद समाधान के लिए ट्रिब्यूनल की मांग:**
   - तमिलनाडु ने केंद्र से जल विवाद को सुलझाने के लिए एक ट्रिब्यूनल (न्यायाधिकरण) गठित करने की मांग की।
   - केंद्र ने पहले सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह ट्रिब्यूनल गठित करने के लिए तैयार है।
   - हालांकि, कर्नाटक ने केंद्र से नई वार्ता समिति बनाने का अनुरोध किया।

पेन्नार नदी जल विवाद पर वर्तमान स्थिति:

1. **बातचीत का प्रयास (2023 के बाद)**:
   मई 2023 में कर्नाटक में नई सरकार बनने के बाद, कर्नाटक ने पहल करते हुए विवाद को बातचीत के माध्यम से सुलझाने की कोशिश की। इसके बाद दोनों राज्य बातचीत के रास्ते पर आए।
2. **सुप्रीम कोर्ट का आदेश (2024)**:
   जनवरी 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 की धारा 4 के तहत एक नई वार्ता समिति का गठन करे। इस समिति का उद्देश्य दोनों राज्यों के बीच विवाद सुलझाने के लिए गंभीर प्रयास करना है।
3. **तमिलनाडु का सुप्रीम कोर्ट में मामला (2018)**:
   - तमिलनाडु ने 2018 में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।
   - तमिलनाडु का कहना था कि कर्नाटक द्वारा नदी पर चेक डैम (छोटे बांध) और अन्य संरचनाओं का निर्माण राज्य के लोगों के लिए नुकसानदायक है।
   - तमिलनाडु ने तर्क दिया कि अंतर-राज्यीय नदी का बहता पानी राष्ट्रीय संपत्ति है और किसी एक राज्य का इस पर एकाधिकार नहीं हो सकता।
4. **1892 का समझौता**:
   - तमिलनाडु ने कहा कि 1892 का समझौता अभी भी वैध और बाध्यकारी है।
   - उनके अनुसार, एक नदी में केवल मुख्य धारा ही नहीं बल्कि उसकी सहायक नदियां और जलधाराएं भी शामिल होती हैं, जो सीधे या परोक्ष रूप से नदी में जल का योगदान करती हैं।

ट्रम्प ने कनाडा, मैक्सिको, चीन पर टैरिफ लगाने की योजना बनाई / Trump plans tariffs on Canada, Mexico, China

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26 जनवरी को पद संभालने के बाद कनाडा, मेक्सिको और चीन से आयातित वस्तुओं पर भारी टैरिफ (कर) लगाने की योजना बनाई है। उन्होंने यह कदम **आव्रजन (immigration)** और **मादक पदार्थों की तस्करी (drug trade)** से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए उठाने का प्रस्ताव दिया है।

- डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मेक्सिको से आने वाली सभी वस्तुओं पर 25% टैरिफ और चीन से आयातित वस्तुओं पर 10% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया।

टैरिफ क्या होता है?

टैरिफ का मतलब है आयातित (दूसरे देशों से लाई गई) या निर्यातित (दूसरे देशों को भेजी गई) वस्तुओं पर सरकार द्वारा लगाया गया कर। इसे **आयात शुल्क** या **सीमा शुल्क** भी कहा जाता है।

टैरिफ के मुख्य उद्देश्य:

1. **देश की अर्थव्यवस्था की सुरक्षा**: घरेलू उद्योगों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए टैरिफ लगाया जाता है।
2. **राजस्व जुटाना**: सरकार इस कर से आय अर्जित करती है।
3. **विदेशी व्यापार को नियंत्रित करना**: विदेशी वस्तुओं को महंगा बनाकर उनका आयात कम किया जा सकता है।

ट्रंप टैरिफ क्यों बढ़ाना चाहते हैं?

डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा, मेक्सिको और चीन से आयातित वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने की योजना बनाई है। इसके पीछे मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

1. **अवैध प्रवासी और ड्रग्स की समस्या**:
   - ट्रंप का मानना है कि कनाडा और मेक्सिको अवैध प्रवासियों और ड्रग्स (जैसे फेंटेनाइल) को अमेरिका में भेजने में मदद कर रहे हैं।
   - चीन से भी भारी मात्रा में फेंटेनाइल का अमेरिका में अवैध तरीके से आयात हो रहा है।
2. **ड्रग्स की वजह से मौतें**:
   - हर साल अमेरिका में लगभग 75,000 मौतें फेंटेनाइल ड्रग के कारण होती हैं।
   - अप्रैल 2024 से अगस्त तक अमेरिकी कस्टम विभाग ने करीब 8900 किलो फेंटेनाइल जब्त किया है।
3. **पिछले प्रयासों का विफल होना**:
   - ट्रंप ने पहले भी इन देशों को ड्रग्स पर नियंत्रण लगाने को कहा था, लेकिन इन देशों ने इस मुद्दे पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

भारत में उच्च आयात शुल्क के प्रभाव और सरकार की नीति:

भारत ने 2014 के बाद से लगभग 3,200 बार आयात शुल्क में वृद्धि की है, जिससे औसत शुल्क **13% से बढ़कर 18%** हो गया है। भारत का आयात शुल्क अब **चीन (7.5%)**, **वियतनाम (9.6%)**, और **बांग्लादेश (14.1%)** से भी अधिक है। यह वृद्धि 1990-91 में **125%** से घटाकर **13%** तक लाने की नीति के विपरीत है।

उच्च आयात शुल्क के प्रभाव:

1. **निर्माण लागत में वृद्धि**: उच्च आयात शुल्क से निर्माण लागत बढ़ जाती है, जिससे भारत की **निर्यात प्रतिस्पर्धा** कमजोर होती है, विशेष रूप से उन देशों के मुकाबले जिनका शुल्क कम है।
2. **उपभोक्ताओं पर असर**: उच्च शुल्क के कारण **उत्पाद महंगे** हो जाते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को **ऊंची कीमतें** और **सीमित विकल्प** मिलते हैं।
3. **इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स सेक्टर में असर**: चीन से आयातित घटकों पर निर्भर **इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स** क्षेत्र में लागत बढ़ जाती है, जैसे कि सर्किट बोर्ड और चार्जर पर उच्च शुल्क।
4. **वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव**: उच्च आयात शुल्क से **वियतनाम, थाईलैंड**, और **मेक्सिको** जैसे देशों के मुकाबले भारत कम आकर्षक बनता है, क्योंकि इन देशों का शुल्क भारत से कम है।

सरकार की नीति:

भारत सरकार ने आयात शुल्क में पुनर्विचार शुरू किया है। उदाहरण के तौर पर, मोबाइल फोन घटकों पर आयात शुल्क **15% से घटाकर 10%** कर दिया गया है। इसके अलावा, भारत ने **यूएई** और **ऑस्ट्रेलिया** के साथ व्यापार समझौते किए हैं, और **यूके** से बातचीत चल रही है। यह नीति **वैश्विक व्यापार** में संतुलन बनाने की दिशा में कदम है।

ट्रंप का प्रभाव:

अमेरिकी राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** ने अपने पहले कार्यकाल में भारत से आयातित स्टील और एल्युमिनियम पर उच्च शुल्क लगाया था, जिसके जवाब में भारत ने **बादाम और सेब** जैसे उत्पादों पर शुल्क लगाया। यदि ट्रंप अपनी नीतियों को लागू करते हैं, तो व्यापार विवादों का खतरा बढ़ सकता है

भारत में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस संकट / Corneal blindness crisis in India

"**भारत में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस संकट**" पर एक रिपोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के बढ़ते मामलों को उजागर किया गया है। इसमें स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और डोनर कॉर्निया की कमी जैसे प्रमुख कारणों पर चर्चा की गई है।

मुख्य बिंदु:

1. **मामले:**
   - भारत में हर साल 20,000 से 25,000 नए मामले सामने आते हैं।
   - यह देश में कुल अंधेपन के लगभग 7.5% मामलों का कारण है।
   - ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रभाव अधिक है, जहाँ नेत्र देखभाल सेवाओं की कमी है।
   - भारत में लगभग 1.2 मिलियन लोग कॉर्नियल अंधापन से प्रभावित हैं।
2. **मुख्य कारण और प्रभावित समूह:**
   - पहले संक्रमणजनित रोग (जैसे केराटाइटिस) प्रमुख कारण थे, लेकिन अब आँखों में चोट और जटिलताएँ मुख्य कारण बन गए हैं।
   - विटामिन ए की कमी, खराब स्वच्छता और देरी से चिकित्सा देखभाल इस समस्या को बढ़ाते हैं।
   - इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों और कार्यशील आयु वर्ग के लोगों पर अधिक है।
3. **स्वास्थ्य सेवाओं में अंतर:**
   - ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च-गुणवत्ता वाली नेत्र देखभाल सेवाओं तक पहुँच सीमित है।
   - चिकित्सा सेवाओं और स्वास्थ्यकर्मियों के पास प्रशिक्षण और संसाधनों की कमी है।
   - समय पर देखभाल न मिलने से लोगों को अपरिवर्तनीय कॉर्नियल क्षति होती है।
4. **डोनर कॉर्निया की कमी:**
   - हर साल लगभग 1,00,000 कॉर्नियल ट्रांसप्लांट की आवश्यकता है, लेकिन केवल 25,000-30,000 कॉर्निया ही दान किए जाते हैं।
   - यह कमी कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के इलाज में एक बड़ी बाधा है।
5. **नीति सुधार की दिशा:**
   - भारतीय नीति निर्माताओं ने अंगदान के लिए 'प्रेज़्यूम्ड कंसेंट' मॉडल लागू करने पर विचार किया है।
   - इसका उद्देश्य डोनर कॉर्निया की उपलब्धता बढ़ाना और आवश्यक इलाज तक पहुँच में सुधार करना है।

कॉर्नियल ब्लाइंडनेस क्या है?

कॉर्नियल ब्लाइंडनेस (Corneal Blindness) तब होती है जब आँख के कॉर्निया (आँख की पारदर्शी परत) में किसी कारण से क्षति या रोग हो जाए। यह स्थिति व्यक्ति की दृष्टि को प्रभावित करती है और गंभीर मामलों में पूरी तरह अंधत्व का कारण बन सकती है।

मुख्य कारण:

1. **चोट**: आँखों में चोट लगने से कॉर्निया प्रभावित हो सकता है।
2. **संक्रमण**: जैसे बैक्टीरियल या फंगल संक्रमण (केराटाइटिस)।
3. **पोषण की कमी**: विशेष रूप से विटामिन ए की कमी।
4. **अनुचित स्वच्छता**: आँखों की सफाई में लापरवाही।
5. **इलाज में देरी**: समय पर उचित चिकित्सा न मिलना।

कॉर्निया में खराबी के लक्षण:

1. **आंखों में तेज दर्द**: कॉर्निया में किसी समस्या के कारण आंखों में तेज और असहनीय दर्द हो सकता है।
2. **आंखों में खुजली**: आंखों में लगातार खुजली महसूस होना कॉर्निया में संक्रमण या चोट का संकेत हो सकता है।
3. **आंखों का लाल होना**: कॉर्निया में समस्या होने पर आंखें लाल और सूजी हुई दिखाई देती हैं।
4. **आंखों से अधिक पानी आना**: कॉर्निया के प्रभावित होने पर आंखों से अत्यधिक पानी बहने लगता है।

कॉर्निया क्या है?

कॉर्निया आंख की एक पारदर्शी परत होती है, जो आंखों में आने वाली रोशनी को रिफ्लेक्ट कर उसे फोकस करने में मदद करती है। यह आंखों को बाहरी नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाने का काम भी करता है।

अगर कॉर्निया में कोई खराबी हो जाए और समय पर इलाज न कराया जाए, तो यह अंधेपन का कारण बन सकता है।

भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 / India Employment Report 2024

हाल ही में इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (IHD) और इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (ILO) द्वारा जारी भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 में भारत में रोजगार की स्थिति में सुधार की ओर इशारा किया गया है।

भारत रोजगार रिपोर्ट 2024: रोजगार और बेरोजगारी के प्रमुख तथ्य-

1. वैश्विक स्तर पर युवा बेरोजगारी में गिरावट:

2021 में, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक युवा बेरोजगारी दर 15.6% थी। 2023 तक, यह दर घटकर 13.3% हो गई, जो दुनिया भर में रोजगार के क्षेत्र में सुधार को दर्शाती है।

2. भारत में युवा बेरोजगारी का स्तर:

भारत में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 2023-24 के लिए किए गए पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के अनुसार, 15 से 29 वर्ष के युवाओं की बेरोजगारी दर 10.2% थी। यह दर वैश्विक औसत से कम है, जो भारत में रोजगार की स्थिति में सुधार का संकेत देता है।

3. श्रमिक आबादी अनुपात में बढ़ोतरी:

भारत में 2017-18 के दौरान युवा श्रमिक आबादी अनुपात (वर्कर पॉपुलेशन रेशियो) 31.4% था। 2023-24 तक यह आंकड़ा बढ़कर 41.7% हो गया, जो रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि को दिखाता है।

4. औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के बढ़ते अवसर:

2023-24 के दौरान, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में 1.3 करोड़ नए सदस्य शामिल हुए।

इसके अतिरिक्त, सितंबर 2017 से अगस्त 2024 तक कुल 7.03 करोड़ नए सदस्य ईपीएफओ से जुड़े। यह भारत में औपचारिक क्षेत्र के रोजगार में तेजी से हो रही वृद्धि को दर्शाता है।

भारत सरकार की रोजगार सृजन पहलें:

- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)
- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (MGNREGS)
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (DDU-GKY)
- ग्रामीण आत्मनिर्भरता और प्रशिक्षण संस्थान (RSETIs)
- दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM)
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY)

मानव विकास संस्थान (IHD): एक परिचय

1. स्थापना और उद्देश्य: मानव विकास संस्थान (IHD) भारत का एक प्रमुख शोध संगठन है, जिसकी स्थापना 1998 में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य श्रम, रोजगार और सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़े विषयों पर अध्ययन और शोध करना है।

2. प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र: IHD उन मुद्दों पर शोध करता है जो समाज और अर्थव्यवस्था को गहराई से प्रभावित करते हैं, जैसे:

- **अनौपचारिक श्रम**: संगठित क्षेत्र से बाहर काम करने वाले श्रमिकों की स्थिति।
- **प्रवास (माइग्रेशन)**: काम और बेहतर जीवन की तलाश में लोगों के स्थानांतरण का अध्ययन।
- **सामाजिक सुरक्षा (Social Protection)**: समाज के कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षा योजनाएँ।
- **मानव विकास**: शिक्षा, स्वास्थ्य, और जीवन स्तर में सुधार के लिए नीतिगत सुझाव।

3. प्रमुख रिपोर्ट: IHD को उसकी प्रतिष्ठित **"इंडिया ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट"** के लिए जाना जाता है। यह रिपोर्ट भारत में मानव विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत जानकारी और समाधान प्रस्तुत करती है।

4. साझेदारी और सहयोग: संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। ये सहयोग नीतिगत बदलाव लाने और गरीबी व असमानता को कम करने में सहायक होते हैं।

5. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण: IHD शोध और शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं और पेशेवरों को प्रशिक्षित करता है। यह संगठनों और सरकारी एजेंसियों के लिए नीति निर्माण में सहायक विशेषज्ञता प्रदान करता है।

6. सामाजिक न्याय और समानता पर ध्यान: संस्थान सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, और हाशिए पर मौजूद समुदायों के उत्थान के लिए नीतिगत सुझाव देने पर विशेष ध्यान देता है।

7. वैश्विक दृष्टिकोण: IHD वैश्विक स्तर पर श्रम बाजार और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर काम करता है। इसके शोध और सुझाव विकासशील देशों के लिए भी उपयोगी होते हैं।

फेंगल तूफान / Cyclone Fengal

हाल ही में दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में उठा फेंगल तूफान, चक्रवात में बदल गया है और अगले दो दिनों में तमिलनाडु तक पहुंचने की संभावना है।

- इस दौरान 75-80 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना।

संभावित चक्रवात 'फेंगल' की जानकारी:

1. **नामकरण और उत्पत्ति:** संभावित चक्रवात 'फेंगल' का नाम सऊदी अरब द्वारा दिया गया है।
   - ✓ यह बंगाल की खाड़ी से बना है।
2. **शुरुआत:** यह प्रणाली 21 नवंबर को दक्षिण अंडमान सागर के पास चक्रवाती परिसंचरण के रूप में शुरू हुई।
3. **अनुमानित मार्ग** यह चक्रवात पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की दिशा में तमिलनाडु और श्रीलंका की ओर बढ़ने की संभावना है, और 26–27 नवंबर के आसपास तट से टकरा सकता है। इसके तट तक पहुँचने से पहले इसकी शक्ति कम होने की संभावना है।
4. **वर्षा का पूर्वानुमान**: दक्षिणी तमिलनाडु में 25 से 27 नवंबर तक भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। केरल, रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश में भी मध्यम वर्षा हो सकती है।
5. **पिछले प्रभाव:** यह चक्रवात अक्टूबर 2024 में ओडिशा को प्रभावित करने वाले चक्रवात 'दाना' के बाद बन रहा है।

तूफान का नाम 'फेंगल' और इसका महत्व:

1. **नामकरण:** सऊदी अरब द्वारा प्रस्तावित तूफान का नाम 'फेंगल' रखा गया है।
   - ✓ यह एक अरबी शब्द है, जो सांस्कृतिक पहचान और भाषाई परंपरा का मिश्रण है।
2. **नामकरण पैनल:** 'फेंगल' नाम वर्ल्ड मीटियोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन (WMO) और संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (UNESCAP) के नामकरण पैनल द्वारा स्वीकृत किया गया है।
   - ✓ यह नाम क्षेत्रीय विविधता को दर्शाता है।

चक्रवात क्या है?

चक्रवात एक शक्तिशाली वायवीय प्रणाली है, जो कम दबाव के केंद्र के चारों ओर घूमती है। यह उत्तर में वामावर्त और दक्षिण में दक्षिणावर्त घूमती है। इसका निर्माण समुद्र के गर्म जल से ऊर्जा लेकर होता है।

चक्रवात कैसे बनते हैं?

1. **गर्म हवा का ऊपर उठना:** महासागर की गर्म और हल्की हवा ऊपर उठती है, जिससे नीचे कम दबाव क्षेत्र बनता है।
2. **हवा का बहाव:** आसपास के उच्च दबाव से हवा इस क्षेत्र की ओर बहती है, गर्म होती है, और चक्र बनाने लगती है।
3. **बादलों का निर्माण**: गर्म हवा लगातार ऊपर उठती है, वाष्पित होती है और बादल बनाती है, जिससे हवा का सिस्टम घूमने लगता है।
4. **चक्रवात की आँख:** जब हवा तेज़ी से घूमती है, तो केंद्र में "आँख" बनती है, जहाँ मौसम शांत रहता है।
5. **चक्रवात का बनना**: जब हवा की गति 63 किमी/घंटा हो, तो इसे 'ट्रॉपिकल स्टॉर्म' और 119 किमी/घंटा से अधिक पर 'ट्रॉपिकल साइक्लोन' कहा जाता है।

चक्रवात का नामकरण (Naming of Cyclones)

1. **चक्रीय प्रक्रिया:** चक्रवातों का नाम पहले से तय सूची के अनुसार चक्रीय तरीके से रखा जाता है।
2. **क्षेत्रीय मौसम केंद्र:** दुनिया में 6 क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (RSMC) और 5 उष्णकटिबंधीय चक्रवात चेतावनी केंद्र (TCWC) नामकरण का कार्य करते हैं।
3. **IMD की भूमिका:** भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) बंगाल की खाड़ी और अरब सागर सहित उत्तरी हिंद महासागर में चक्रवातों के लिए नामकरण और चेतावनी प्रदान करता है।
4. **सदस्य देश**: IMD, WMO/ESCAP पैनल के तहत 13 देशों को सेवा देता है: बांग्लादेश, भारत, ईरान, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, यूएई, और यमन।
5. **नामों की सूची:** कुल 169 नामों की सूची है, जिसमें प्रत्येक सदस्य देश ने 13 नाम दिए हैं।

बुनियादी पशुपालन सांख्यिकी 2024 / Basic Animal Husbandry Statistics 2024

हाल ही में **मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय** ने **बेसिक एनिमल हसबैंड्री स्टैटिस्टिक्स 2024** (BAHS) जारी की। इसे **राष्ट्रीय दुग्ध दिवस** (26 नवंबर) के अवसर पर जारी किया गया। यह दिन **डॉ. वर्गीज कुरियन** (भारत में श्वेत क्रांति के जनक) की जयंती मनाने के लिए समर्पित है।

बेसिक एनिमल हसबैंड्री स्टैटिस्टिक्स 2024: मुख्य बिंदु

1. **दूध उत्पादन:**
   - **2023-24 में कुल उत्पादन**: 239.30 मिलियन टन, जो 2022-23 की तुलना में 3.78% अधिक है।
   - **भारत का स्थान**: दुनिया में सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश।
   - **शीर्ष राज्य**: उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश।
   - **प्रति व्यक्ति उपलब्धता**: 2022-23 में 459 ग्राम प्रतिदिन से बढ़कर 2023-24 में 471 ग्राम प्रतिदिन।
2. **अंडा उत्पादन:**
   - **2023-24 में कुल उत्पादन**: 142.77 अरब अंडे, 2022-23 की तुलना में 3.18% अधिक।
   - **भारत का स्थान**: वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा अंडा उत्पादक।
   - **शीर्ष राज्य**: आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना।
3. **मांस उत्पादन:**
   - **2023-24 में कुल उत्पादन**: 10.25 मिलियन टन, जो 2022-23 की तुलना में 4.95% अधिक है।
   - **शीर्ष राज्य**: पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र।
4. **ऊन उत्पादन:**
   - **2023-24 में कुल उत्पादन**: 33.69 मिलियन किलोग्राम, पिछले वर्ष की तुलना में 0.22% वृद्धि।
   - **शीर्ष राज्य**: राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और गुजरात।
5. **पशुधन क्षेत्र की प्रगति:**
   - **वृद्धि दर (2014-15 से 2022-23)**: 7.38% (वार्षिक चक्रवृद्धि दर)।
   - **कृषि सकल मूल्य वर्धित (GVA) में हिस्सेदारी**: 2014-15 में 24.32% से बढ़कर 2022-23 में 30.38%।
   - **21वां पशुधन गणना अभियान**: वर्तमान में चल रहा है, जो पशुधन से जुड़े नए आंकड़े उपलब्ध कराएगा।

पशुपालन: एक परिचय

पशुपालन का मतलब पशुओं को पालना और उनकी नस्ल सुधार करना है, जिससे उनकी गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाया जा सके।

पशुपालन का महत्व

1. **आर्थिक योगदान:** 2021-22 में कृषि और संबंधित क्षेत्रों के सकल मूल्य वर्धित (GVA) में पशुपालन का योगदान 30.19% रहा।
2. **जीविका का साधन**: लगभग 8 करोड़ किसान और भूमिहीन मजदूर इससे अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं।
3. **खाद्य सुरक्षा:** दूध, मांस, अंडे आदि का उत्पादन कर खाद्य सुरक्षा में मदद करता है।

पशुपालन से जुड़े प्रमुख चुनौतियां:

1. **बढ़ती बीमारियां:** लंपी स्किन डिजीज और फुट एंड माउथ डिजीज जैसी बीमारियां पशुओं को प्रभावित कर रही हैं।
2. **कम उत्पादकता:** देशी नस्लों की उत्पादकता कम है, जिससे पशुपालन की आय सीमित हो जाती है।
3. **टीकाकरण की कमी:** पशुओं में पर्याप्त टीकाकरण नहीं होने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

पशुपालन में सुधार के लिए सरकारी कदम:

1. **राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM):** देशी गायों की उत्पादकता और नस्ल सुधार के लिए शुरू किया गया।
2. **राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM):** पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने, उनके स्वास्थ्य में सुधार, और चारे की व्यवस्था पर ध्यान।
3. **डेयरी प्रसंस्करण और बुनियादी ढांचा विकास कोष (DIDF):** दूध प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के लिए आधारभूत संरचना को समर्थन।
4. **पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (AHIDF):** डेयरी और मांस प्रसंस्करण में निजी निवेश के लिए वित्तीय सहायता।
5. **पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण (LHDC): बीमारियों की** निगरानी, निदान, और इलाज के लिए कार्यक्रम।
6. **पशु आधार:** पशुओं की बेहतर प्रबंधन और ट्रैकिंग के लिए एक अनोखी पहचान प्रणाली।

SAREX-24: भारतीय तटरक्षक अभ्यास / SAREX-24: Indian Coast Guard Exercise

भारतीय तटरक्षक बल का 11वां राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास (SAREX-24) 28-29 नवंबर, 2024 को कोच्चि, केरल में आयोजित होगा।

SAREX-24 के मुख्य बिंदु-

1. **आयोजन की जानकारी:**
   - **राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास एवं कार्यशाला (SAREX-24)** का 11वां संस्करण 28-29 नवंबर, 2024 को कोच्चि, केरल में होगा।
   - इसका आयोजन **राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव बोर्ड** के तहत होगा।
   - 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षक इस अभ्यास में भाग लेंगे।
2. **थीम:**
   - थीम है '**क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से खोज और बचाव क्षमताओं को बढ़ाना।**'
   - यह भारतीय तटरक्षक बल (ICG) की आपातकालीन स्थिति में मदद के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
3. **पहले दिन के कार्यक्रम:**
   - **कार्यशाला, सेमिनार और टेबल-टॉप अभ्यास** आयोजित किए जाएंगे।
   - इसमें सरकारी एजेंसियों, सशस्त्र बलों, मंत्रालयों और विदेशी प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी।
4. **दूसरे दिन के कार्यक्रम:**
   - कोच्चि के तट पर **दो बड़े समुद्री आपातकालीन अभ्यास** किए जाएंगे:
     - **पहला परिदृश्य**: 500 यात्रियों वाले जहाज में आपात स्थिति का अभ्यास।
     - **दूसरा परिदृश्य**: 200 यात्रियों वाले नागरिक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का अभ्यास।
   - **नई तकनीकों का प्रदर्शन:**
     - सैटेलाइट डिस्ट्रेस बीकन, ड्रोन से लाइफ ब्वॉय फेंकने, एयर-ड्रॉपेबल लाइफ राफ्ट और रिमोट-कंट्रोल लाइफ ब्वॉय का उपयोग।
   - विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के बीच समन्वय और संचालन क्षमता का परीक्षण।
5. **भारतीय तटरक्षक बल की भूमिका:**
   - ICG को **भारतीय महासागर रिम एसोसिएशन (IORA)** सदस्य देशों के साथ SAR (Search and Rescue) समन्वय के लिए कार्यान्वयन एजेंसी नामित किया गया है।
   - ICG को **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र** में SAR गतिविधियों के लिए नोडल एजेंसी भी घोषित किया गया है।
6. **प्रधानमंत्री की SAGAR पहल:**
   - ICG का यह प्रयास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के **SAGAR (Security and Growth for All in the Region)** दृष्टिकोण के अनुरूप भारत की वैश्विक जिम्मेदारी को मजबूत करता है।

SAREX-24: भारत और विश्व के लिए महत्व-

1. **समुद्री सुरक्षा में सुधार:**
   - यह अभ्यास भारत को बेहतर खोज और बचाव (SAR) रणनीतियां विकसित करने में मदद करेगा।
   - समुद्री संचालन को सुरक्षित और प्रभावी बनाएगा।
2. **अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा:**
   - SAREX-24 विभिन्न देशों को एक मंच पर लाएगा।
   - समुद्री सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया जैसे साझा मुद्दों का समाधान करने में सहयोग बढ़ाएगा।
3. **नई तकनीकों का परीक्षण:**
   - वास्तविक परिदृश्यों पर आधारित अभ्यास के माध्यम से आपदाओं और दुर्घटनाओं से निपटने की नई तकनीकों को परखा और विकसित किया जाएगा।

प्रौद्योगिकी नवाचार:

- समुद्र अभ्यास में नई तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा।
- सैटेलाइट डिस्ट्रेस बेकन्स का उपयोग संचार के लिए होगा।
- ड्रोन आपातकाल में लाइफ बुड़्ज़ तैनात करेंगे।
- रिमोट-कोण्ट्रोल लाइफ-सेविंग उपकरण भी प्रदर्शित किए जाएंगे।
- इन नवाचारों का उद्देश्य बचाव अभियानों की दक्षता बढ़ाना है।

सामरिक लक्ष्य:

- राष्ट्रीय भागीदारों के साथ समन्वय को बेहतर बनाना।
- पड़ोसी देशों के साथ साझेदारी को मजबूत करना।
- आपात स्थितियों में प्रतिक्रिया समय को सुधारना।
- SAREX-24 का उद्देश्य भारत की समुद्री खोज और बचाव क्षमताओं को बढ़ाना है।

रियांग समुदाय / Reang community

त्रिपुरा सरकार ने सभी भाषाओं के विकास और उनके संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। यह घोषणा तब की गई जब रींग समुदाय, जो भारत के 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (PVTGs) में से एक है, ने अपनी मौखिक भाषा **कौबुरु** (Kaubru) को मान्यता देने की मांग की।

- रींग समुदाय, जिसे ब्रू भी कहा जाता है, ने त्रिपुरा सरकार से **होजागिरी दिवस** पर अवकाश घोषित करने का अनुरोध किया है।

होजागिरी दिवस: यह रींग समुदाय के पारंपरिक **होजागिरी नृत्य** का उत्सव है।

रींग जनजाति: परिचय-

पहचान और जनसंख्या:

- रींग जनजाति, जिसे स्थानीय रूप से "ब्रू" कहा जाता है, त्रिपुरा में दूसरी सबसे बड़ी जनजातीय समूह है, पहले स्थान पर त्रिपुरी कबीला है।
- यह त्रिपुरा में एकमात्र **विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG)** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- त्रिपुरा के अलावा, रींग समुदाय के लोग मिज़ोरम और असम के कुछ हिस्सों में भी पाए जाते हैं।
- भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, उनकी कुल जनसंख्या लगभग 1,88,080 है।

ऐतिहासिक उत्पत्ति:

- ऐसा माना जाता है कि रींग जनजाति ने वर्तमान म्यांमार के शान राज्य से चिटगांव हिल ट्रैक्ट्स होते हुए दक्षिण त्रिपुरा में कई चरणों में प्रवास किया।
- रींग समुदाय का एक अन्य समूह 18वीं शताब्दी के दौरान असम और मिज़ोरम के रास्ते त्रिपुरा पहुंचा।

आर्थिक गतिविधियां:

- रींग जनजाति परंपरागत रूप से "हुक" या झूम खेती (स्थानांतरित कृषि) करती थी।
- समय के साथ, उन्होंने आधुनिक कृषि पद्धतियां अपनाई हैं।

धार्मिक मान्यताएं:

- त्रिपुरा में अधिकांश रींग समुदाय के लोग हिंदू धर्म का पालन करते हैं।

सांस्कृतिक महत्व:

- रींग समुदाय का होजागिरी लोक नृत्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है, जो उनकी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाता है।

सर्फेस हाइड्रोकाइनेटिक टर्बाइन (SHKT) तकनीक

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) ने सर्फेस हाइड्रोकाइनेटिक टर्बाइन (SHKT) तकनीक को हाइड्रो श्रेणी के तहत मान्यता दी है। यह तकनीक शून्य-उत्सर्जन लक्ष्य प्राप्त करने और बिजली क्षेत्र के सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए नवाचारों को बढ़ावा देती है।

मुख्य बिंदु:

1. **तकनीक की विशेषता:** SHKT प्रवाहित पानी की गतिज ऊर्जा का उपयोग करती है और इसके लिए किसी बांध, बैराज या संरचना की आवश्यकता नहीं होती।
   - पारंपरिक जल विद्युत इकाइयों के विपरीत, इसे शून्य हेड (Zero Head) वाले क्षेत्रों में लगाया जा सकता है।
2. **लाभ:** यह तकनीक लागत प्रभावी है, जिसमें बिजली उत्पादन का खर्च ₹2-3 प्रति यूनिट है।
   - इसे स्थापित करना आसान और सस्ती प्रक्रिया है।
   - यह क्षेत्रों में भी उपयोगी है जहां ग्रिड की पहुंच सीमित है।
3. **सतत ऊर्जा का स्रोत:** यह तकनीक भारत के व्यापक जल अवसंरचना जैसे नहरों और हाइड्रोपावर टेलरेस चैनलों का उपयोग कर बड़ी मात्रा में (GW स्तर) नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है।
   - यह बिजली क्षेत्र को सतत ऊर्जा उत्पादन में मदद कर सकती है।
4. **महत्व:** SHKT तकनीक 24x7 नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होगी।
   - यह ऊर्जा उत्पादकों और खरीदारों दोनों के लिए लाभदायक समाधान प्रदान करती है।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (Central Electricity Authority - CEA)

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है, जो बिजली मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है। इसकी स्थापना विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत की गई है।

मुख्य कार्य:

1. **नीति निर्माण:** बिजली क्षेत्र से संबंधित नीतियों और योजनाओं का मसौदा तैयार करना।
2. **तकनीकी सलाह:** बिजली उत्पादन, पारेषण, और वितरण के लिए तकनीकी सलाह देना।
3. **डेटा प्रबंधन:** विद्युत क्षेत्र से जुड़ा डेटा एकत्र करना, उसका विश्लेषण करना और प्रकाशित करना।
4. **प्रणाली का निगरानी**: बिजली ग्रिड की विश्वसनीयता और स्थिरता सुनिश्चित करना।
5. **विद्युत परियोजनाओं का निरीक्षण:** नई परियोजनाओं की स्वीकृति और उनके कार्यान्वयन की निगरानी।

शुक्र मिशन "शुक्रयान" / Venus mission "Shukrayaan"

अंतरिक्ष विभाग द्वारा लॉन्च किया गया मिशन शुक्रयान, शुक्र ग्रह के वायुमंडल और सतह का अध्ययन करेगा, साथ ही इसका सूर्य के साथ होने वाले संपर्क की भी जांच करेगा।

वीनस ऑर्बिटर मिशन (Venus Orbiter Mission - VOM) क्या है?

परिचय:

भारत का पहला वीनस मिशन, "शुक्रयान-1", शुक्र ग्रह के वायुमंडल, सतह और भूगर्भीय विशेषताओं का अध्ययन करेगा। इसमें उन्नत वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग किया जाएगा।

लक्ष्य:

1. वीनस की सतह पर होने वाली प्रक्रियाओं और उपसतह संरचना का अध्ययन करना।
2. वीनस के वायुमंडल की संरचना, संघटन और गतिशीलता का अध्ययन करना।
3. सूर्य की हवाओं और वीनस के आयनमंडल के बीच के संपर्क का अन्वेषण करना।

मिशन की मुख्य विशेषताएँ:

- **समयरेखा:** भारत का वीनस मिशन, जिसे पहले 2023 में लॉन्च किया जाना था, अब मार्च 2028 में लॉन्च किया जाएगा। पृथ्वी और वीनस हर 19 महीने में निकटतम आते हैं, इसलिए यह समयरेखा महत्वपूर्ण है।
- **पेलोड**: मिशन में लगभग 100 किलोग्राम वैज्ञानिक पेलोड होंगे। ये पेलोड वीनस के वायुमंडल के तापीय अवस्था, संरचना और विविधताओं का अध्ययन करेंगे, और ग्रह के आयनमंडल में प्रवेश करने वाली उच्च-ऊर्जा कणों का विश्लेषण करेंगे।

प्रक्षेपण प्रक्रिया:

सैटेलाइट पृथ्वी की कक्षा में गति प्राप्त करेगा और वीनस की कक्षा में लगभग 140 दिनों में पहुंच जाएगा।

मिशन के पेलोड्स:

- **16 भारतीय पेलोड्स**: इन पेलोड्स का उद्देश्य वीनस के वायुमंडल और सतह के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना है।
- **2 भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी पेलोड्स (VISWAS और RAVI)**: ये पेलोड्स भारत और अन्य देशों के बीच सहयोग के तहत विकसित किए गए हैं।
- **1 अंतर्राष्ट्रीय पेलोड (VIRAL)**: यह पेलोड अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समुदाय के साथ मिलकर वीनस के अध्ययन में मदद करेगा।

मिशन का महत्व:

1. **वैज्ञानिक अन्वेषण**: सूर्यमंडल के विकास और ग्रहों के वायुमंडल के गतिशीलता को समझने में मदद करेगा।
2. **जलवायु परिवर्तन को समझना**: वीनस का वायुमंडल मुख्य रूप से CO2 से बना है, इसलिए इसकी संरचना का अध्ययन ग्रीनहाउस प्रभाव और पर्यावरणीय समस्याओं को समझने में सहायक होगा।
3. **अन्य महत्व**: वायुमंडलीय संरचना, पृथ्वी के विकास आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

मिशन के लिए चुनौतियाँ:

1. **चरम स्थितियाँ**: अत्यधिक तापमान और दबाव, जो अंतरिक्ष यान के घटकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
2. **क्षारीय वायुमंडल**: वीनस की सतह पर मौजूद सल्फ्यूरिक एसिड के बादल जो स्टील और टाइटेनियम जैसे सामग्रियों को जंग लगा सकते हैं।
3. **अन्य चुनौतियाँ**: कठिन भौतिक परिस्थितियाँ, सौर पैनलों के लिए पर्याप्त सूर्य की रोशनी का अभाव, तकनीकी समस्याएँ आदि।

वीनस पर अन्य देशों द्वारा लॉन्च किए गए मिशन:

1. **अतीत में किए गए मिशन**:
   - संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ (USSR), जापान और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) ने वीनस पर कई मिशन भेजे हैं।
2. **हाल ही में घोषित मिशन**:
   - **NASA**: "DaVinci" (2029 में) और "Veritas" (2031 में) मिशन।
   - **ESA**: "EnVision" मिशन (2030 के दशक की शुरुआत में योजना)।
   - **रूस**: "Venera-D" मिशन (विकसित हो रहा है)।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

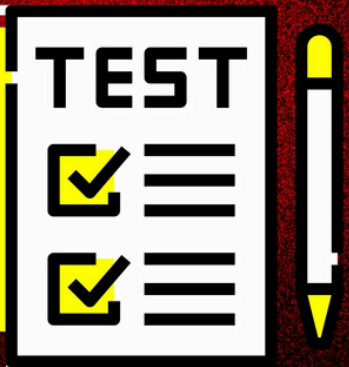

Only 99 Per Year

Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY POLITY

1499 RS

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !